ब्राह्मण–परम्परा एवं बौद्ध धर्म की सामाजिक संवेदना

श्याम नारायण सिंह

ब्राह्मण–परम्परा में भगवान बुद्ध को विष्णु का नवाँ अवतार माना जाता है। अवतार का उद्देश्य धर्म की स्थापना बताया गया है। 'धर्म' एक व्यापक अवधारणा है और 'युग–धर्म, उसमें एक विभाग है। युगधर्म की स्थापना और उसका संरक्षण भी अवतार का विशेष–कार्य है। सभी युगों के अवतारों का प्रयोजन देखने पर यह बात स्पष्ट हो जाती है। हिन्दू शास्त्रों में युगधर्म बताते हुए कहा गया है कि वे अपने–अपने समय में प्राणियों पर अपना–अपना प्रभाव दिखाते हैं।